

लोक संपर्क कार्यालय चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

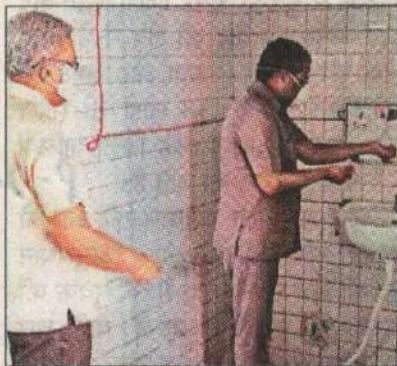
समाचार पत्र का नाम..... उम्भू उजाला
 दिनांक ३०. ५. २०२० पृष्ठ सं २ कॉलम ६. ८

स्पर्श रहित तरल साबुन एवं जल वितरक प्रणाली की विकसित

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह के दिशा-निर्देशानुसार कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी की महाविद्यालय के वैज्ञानिकों ने 'स्पर्श रहित तरल साबुन एवं जल वितरक प्रणाली' विकसित की।

सार्वजनिक स्थान पर बार-बार हाथों को साफ करने के लिए प्रयोग में लाए जाने वाले साबुन या तरल हैंड वाश एवं पानी के नल को स्पर्श करना पड़ता है, जहां कोरोना के संक्रमण फैलने की आशंका बनी रहती



हृकृषि के माननीय कुलपति प्रो. केपी सिंह स्पर्श रहित तरल साबुन एवं जल वितरक प्रणाली को इस्तेमाल करते हुए।

है। प्रो. सिंह ने बताया कि हाथों की अच्छी तरह से सफाई के लिए इस 'स्पर्श रहित तरल साबुन एवं जल वितरक प्रणाली' की सराहना की। इस विधि के लिए

एलट्रासोनिक सेंसर्स का उपयोग किया गया है, जो व्यक्ति के हाथों को अनुभव करके तरल साबुन व जल निकालने का काम स्वचालित रूप से करता है। इसकी एक यूनिट वर्तमान में विवि के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में स्थापित की गई है। दूसरी यूनिट प्रशासनिक भवन में प्रो. केपी सिंह के मार्गदर्शन में विकसित की गई है। इसके निर्माण में लगभग 5000 रुपये का खर्च आया है। इस उपकरण का निर्माण अभियांत्रिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. एके अटकान, इंजी. भारत पटेल और इंजी. सुनील कुमार द्वारा किया गया है। इस दौरान, विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एमके गर्ग एवं कृषि अभियांत्रिकी, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आरके झोरड उपस्थित रहे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... पंजाब कैसरी
 दिनांक..... ३०.५.२०२० पृष्ठ सं.... ५ कॉलम.... ५-६

कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु हकूमि ने स्पर्श रहित तरल साबुन एवं जल वितरक प्रणाली की विकसित

हिसार, 29 अप्रैल (ब्यूरो):
 कोरोना वायरस महामारी एक विश्वव्यापी संकट है तथा वर्तमान समय में इससे बचाव ही इसका इलाज है। इसको ध्यान में रखते हुए भारत सरकार व हरियाणा सरकार हर प्राणी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत, दृढ़संकल्प व कृतबद्ध है। एच.ए.यू. के कुलपति प्रो. के.पी.सिंह के दिशा-निर्देशानुसार कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिकों ने 'स्पर्श रहित तरल साबुन एवं जल वितरक प्रणाली' विकसित की।

आज के हालात को मद्देनजर रखते हुए यह प्रणाली समय की बहुत बड़ी मांग है। प्रो. सिंह ने बताया कि हाथों को अच्छी तरह से सफाई के लिए इस 'स्पर्श रहित तरल साबुन एवं जल वितरक प्रणाली' की सराहना की और इस विधि के इस्तेमाल को कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव में उपयोगी



प्रो. सिंह स्पर्श रहित तरल साबुन एवं जल वितरक प्रणाली को इस्तेमाल करते हुए।

बताया। उन्होंने बताया कि ऐसे प्रयोग देश के सुरक्षा चक्र के लिए प्रशंसनीय व सराहनीय होते हैं। इस विधि के लिए अल्ट्रासोनिक सैंसर्स का उपयोग किया गया है जो व्यक्ति के हाथों

को अनुभव करके तरल साबुन व जल निकालने का काम स्वचालित रूप से करता है।

इसकी एक यूनिट को वर्तमान समय में विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में स्थापित की गई है। इसके प्रयोग की महत्ता को ध्यान में रखते हुए इसकी दूसरी यूनिट प्रशासनिक भवन में प्रो. के.पी.सिंह, माननीय कुलपति महोदय के मार्ग दर्शन में विकसित की गई है और जरूरत अनुसार यह प्रक्रिया विश्वविद्यालय के अन्य विभागों में भी प्रसारित की जा सकती है। इस दौरान, विशेष कार्यकारी अधिकारी डा. एम.के. गर्ग एवं कृषि अभियांत्रिकी, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. आर.के. झोरड़ एवं एस.पी.एस. सुरेंद्र सलूजा उपस्थित रहे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... प्रैनक मास्कर
दिनांक ३०.५.२०२० पृष्ठ सं ५ कॉलम ५-७

संक्रमण से बचाव को एचएयू ने स्पर्श रहित तरल साबुन व जल वितरक प्रणाली की विकसित, 2 सेकेंड में हाथ होंगे बत्तीन कुलपति प्रो. केपी सिंह ने भी प्रणाली को विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की सराहना की

मास्कर न्यूज | हिसार

कोरोना वायरस से बचाव के मद्देनजर एचएयू के वैज्ञानिकों ने स्पर्श रहित तरल साबुन एवं जल वितरक प्रणाली विकसित की है। जिसे शौचालय में लगाया गया है। मात्र दो सेकेंड में ही ऑटोमेटिक सेंसर से हाथ सेन्टिटज हो सकेंगे। एचएयू के कुलपति ने प्रणाली का जायजा लिया। साथ ही वैज्ञानिकों की भी सराहना की है। सार्वजनिक स्थान पर बार-बार हाथ

को साफ करने के लिए प्रयोग में लाये जाने वाले साबुन या तरल हैंडवश एवं पानी के नल को स्पर्श करना पड़ता है, जहां कोरोना के संक्रमण फैलने का डर व आशंका बनी रहती है। एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह के दिशा-निर्देशानुसार कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिकों ने 'स्पर्श रहित तरल साबुन एवं जल वितरक प्रणाली' विकसित की। आज के हालात को मद्देनजर रखते हुए यह

प्रणाली समय की बहुत बड़ी मांग है। प्रो. केपी सिंह ने बताया कि हाथों को अच्छी तरह से सफाई के लिए इस 'स्पर्श रहित तरल साबुन एवं जल वितरक प्रणाली' की सराहना की और इस विधि के इस्तेमाल को कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव में उपयोगी बताया। उन्होंने बताया कि ऐसे प्रयोग देश के सुरक्षा चक्र के लिए प्रशंसनीय व सराहनीय होते हैं। इस विधि के लिए अल्ट्रासोनिक सेंसर्स का उपयोग किया गया है। इसकी एक यूनिट को वर्तमान समय में विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में स्थापित की गई है। उपकरण को बनाने में अभियांत्रिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. एके अटकान, इंजी. भारत पटेल और इंजी. सुनील कुमार द्वारा किया गया है। विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.के. गर्ग एवं कृषि अभियांत्रिकी, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर.के. झोरड रेन्ड्र सलूजा उपस्थित रहे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक... ३०.४.२०२०.....

५२१०५५५१७०

पृष्ठ सं... ५

कॉलम... ३

स्पर्श रहित तरल साबुन
एवं जल वितरक प्रणाली
को किया विकसित

जासं, हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने स्पर्श रहित तरल साबुन एवं जल वितरक प्रणाली विकसित की है। इस प्रणाली में आपको किसी भी प्रकार से किसी यंत्र या साबुन को बार-बार छूने की जरूरत नहीं है। अल्ट्रासोनिक तकनीकि पर आधारित यह प्रणाली हाथ पास में ले जाते ही अपने पास साबुन और पानी देती है। कुलपति प्रो. कैपी सिंह के निर्देशन में कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिकों ने यह प्रणाली तैयार की है। निर्माण में 5000 रुपये का खर्च आया है।

इस विधि से बनाई गई है मशीन : इस विधि के लिए अल्ट्रासोनिक सेंसर्स का उपयोग किया गया है जो व्यक्ति के हाथों को अनुभव करके तरल साबुन व जल निकालने का काम स्वचालित रूप से करता है। इसकी एक यूनिट को वर्तमान संमय में विवि के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में स्थापित की गई है। इसके प्रयोग की महत्ता को ध्यान में रखते हुए इसकी दूसरी यूनिट प्रशासनिक भवन में विकसित की गई है।

लोक संपर्क कार्यालय चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... पाठक पक्ष
 दिनांक 29. 4. 2020 पृष्ठ सं ३ कॉलम ३-५

कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए एचएयू ने विकासत की स्पर्श रहित तरल साबुन एवं जल वितरक प्रणाली



हकृषि के कुलपति प्रो. के.पी.. सिंह स्पर्श रहित तरल साबुन एवं जल वितरक प्रणाली को इस्तेमाल करते हुए।

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 29 अप्रैल : कोरोना वायरस महामारी एक विश्वव्यापी संकट है तथा वर्तमान समय में इससे बचाव ही इसका इलाज है। इसको ध्यान में रखते हुए भारत सरकार व हरियाणा सरकार हर प्राणी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत, दृढ़संकल्प व कृतबद्ध है। सामाजिक दुरी बनाये रखना, मास्क डाले रखना, हाथों को साबुन-पानी

के साथ बारम्बार धोते रहना ही इसके बचाव के लिए मूल मंत्र हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह के दिशा-निर्देशानुसार कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिकों ने 'स्पर्श रहित तरल साबुन एवं जल वितरक प्रणाली' विकसित की। सार्वजनिक स्थान पर बार-बार हाथों को साफ करने हेतु प्रयोग में लाए जाने वाले साबुन या तरल हैंड वाश एवं पानी के नल को स्पर्श करना पड़ता है, जहां कोरोना वायरस के संक्रमण फैलने का डर व शंका बनी रहती है। आज के हालात को मद्देनजर रखते हुए यह प्रणाली समय की बहुत बड़ी मांग है। प्रो. सिंह ने बताया कि हाथों की अच्छी तरह से सफाई के लिए इस 'स्पर्श रहित तरल साबुन एवं जल वितरक प्रणाली' की सराहना की और इस विधि के इस्तेमाल को कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव में उपयोगी बताया। उन्होंने बताया कि ऐसे प्रयोग देश के सुरक्षा चक्र के लिए प्रशंसनीय व सराहनीय होते हैं। इस विधि के लिए

अल्ट्रासोनिक सेंसर्स का उपयोग किया गया है जो व्यक्ति के हाथों को अनुभव करके तरल साबुन व जल निकालने का काम स्वचालित रूप से करता है। इसकी एक यूनिट को वर्तमान समय में विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में स्थापित की गई है। इसके प्रयोग की महत्ता को ध्यान में रखते हुए इसकी दूसरी यूनिट प्रशासनिक भवन में कुलपति प्रो. के.पी. सिंह के मार्गदर्शन में विकसित की गई है और जरूरत के अनुसार यह प्रक्रिया विश्वविद्यालय के अन्य विभागों में भी प्रसारित की जा सकती है। इसके निर्माण में लगभग 5000 रुपए का खर्च आया है। इस उपकरण का निर्माण अभियांत्रिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. ए.के. अटकान, इंजी. भारत पटेल और इंजी. मुनील कुमार द्वारा किया गया है। इस दौरान, विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.के. गर्ग एवं कृषि अभियांत्रिकी, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर.के. झोरड़ एवं एसपीएस सुरेन्द्र सलूजा उपस्थित रहे।

लोक संपर्क कार्यालय चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... नम्भ. ३०२
दिनांक २९. ५. २०२० पृष्ठ सं. २ कॉलम ३-४

हृषि में स्पर्श रहित तरल साबुन एवं जल वितरक प्रणाली लगायी

हिसार/२९ अप्रैल/रिपोर्टर

हिसार: कोरोना वायरस महामारी एक विश्वव्यापी संकट है तथा वर्तमान समय में इससे बचाव ही इसका इलाज है। हाथों को साबुन-पानी के साथ धोते रहना ही इसके बचाव के लिये मूल मंत्र है। सार्वजनिक स्थान पर बार-बार हाथों को साफ करने हेतु प्रयोग में लाये जाने वाले साबुन या तरल हैंड वाश एवं पानी के नल को स्पर्श करना पड़ता है, जहां कोरोना वायरस के संक्रमण फैलने का डर व शंका बनी रहती है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह के निर्देश पर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिकों ने 'स्पर्श रहित तरल साबुन एवं जल वितरक प्रणाली' विकसित की। आज के हालात को मद्देनजर रखते हुए यह प्रणाली समय की बहुत बड़ी मांग है। प्रो. सिंह ने बताया कि हाथों को अच्छी तरह से सफाई के लिए इस 'स्पर्श रहित तरल साबुन एवं जल वितरक प्रणाली' की सराहना की और इस विधि के इस्तेमाल को कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव में उपयोगी बताया। उन्होंने बताया कि ऐसे प्रयोग देश के सुरक्षा चक्र के लिए प्रशंसनीय व सराहनीय होते हैं। इस विधि के लिए अल्ट्रासोनिक सेंसर्स का उपयोग किया गया है जो व्यक्ति के हाथों को अनुभव करके तरल साबुन व जल निकालने का काम स्वचालित रूप से करता है। इसकी एक यूनिट वर्तमान समय में विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में स्थापित की गई है। इसके प्रयोग की महत्ता को ध्यान में रखते हुए इसकी दूसरी यूनिट प्रशासनिक भवन में विकसित की गई है और जरूरत अनुसार यह प्रक्रिया विश्वविद्यालय के अन्य विभागों में भी प्रसारित की जा सकती है। इसके निर्माण में लगभग 5000 रुपए का खर्च आया है। इस उपकरण का निर्माण अभियांत्रिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. एके अटकान, इंजी. भारत पटेल और इंजी. सुनील कुमार द्वारा किया गया है। इस दौरान, विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एमके गर्ग एवं कृषि अभियांत्रिकी, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आरके झोरड़ एवं एसपीएस सुरेन्द्र सलूजा उपस्थित रहे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....

सैटी पल्स

दिनांक २१. ५. २०२० पृष्ठ सं ३ कॉलम २-६

हृषि ने स्पर्श रहित तरल साबुन एवं जल वितरक प्रणाली की विकसित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार।
कोरोना वायरस महामारी एक
विश्वव्यापी संकट है तथा वर्तमान
समय में इसमें बचाव ही इसका
इलाज है। इसके ध्यान में रखते
हुए भारत सरकार व हरियाणा
सरकार हर प्राणी के स्वास्थ्य के
प्रति संघेत, दृढ़संकल्प व कृतबद्ध
है। सामाजिक दूरी बनाये रखना,
मास्क डाले रखना, हाथों को
साबुन-पानी के साथ बारम्बार
धोते रहना ही इसके बचाव के
लिए मूल मंत्र है।

साधेजनिक स्थान पर बार-बार
हाथों को साफ करने के लिए
प्रयोग में लाए जाने वाले साबुन
या तरल हैंड बॉश एवं पानी के
नल को स्पर्श करना पड़ता है, जहाँ
कोरोना के संक्रमण फैलने की
शक्ति बनी रहती है। विश्वविद्यालय
के कुलपति प्रो. क.पी. सिंह के
दिशा-निर्देशानुसार कृषि
अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी
महाविद्यालय के वैज्ञानिकों ने
'स्पर्श रहित तरल साबुन एवं जल
वितरक प्रणाली' विकसित की।



हिसार। प्रो. सिंह स्पर्श रहित तरल साबुन एवं जल वितरक प्रणाली को
इस्तेमाल करते हुए।

प्रो. सिंह ने हाथों को अच्छी तरह सराहनीय होते हैं।

से सफाई के लिए इस 'स्पर्श रहित तरल साबुन एवं जल वितरक प्रणाली' को सराहना की। उन्होंने बताया कि ऐसे प्रयोग देश के सुरक्षा चक्र के लिए प्रशंसनीय व

स्वच्छालित रूप से करता है। इसकी एक यूनिट को वर्तमान समय में विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में स्थापित की गई है। इसके प्रयोग की महत्ता को ध्यान में रखते हुए इसकी दूसरी यूनिट प्रशासनिक भवन में कुलपति के मार्ग दर्शन में विकसित की गई है और जरूरत अनुसार यह प्रक्रिया विश्वविद्यालय के अन्य विभागों में भी प्रसारित की जा सकती है। इसके निर्माण में लगभग 5000 रुपए का खर्च आया है। इस उपकरण का निर्माण अभियांत्रिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिक दॉ. ए.के. अटकान, भारत पटेल और मुनील कुमार द्वारा किया गया है। इस दौरान, विशेष कार्यकारी अधिकारी दॉ. ए.म.के. गर्ग एवं कृषि अभियांत्रिकी, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिकृता दॉ. आर.के. झोरड़ एवं एसपीएस सुरेन्द्र सलूजा उपस्थित रहे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....फैन्क मास्टर
दिनांक ३०.५.२०२० पृष्ठ सं २ कॉलम ५-८

एचएचयू व सेक्टर 16 -17 के सफाईकर्मियों
को बांटे मास्क, ग्लब्स और हैंड सेनेटाइजर

हिसार | एचएचयू में प्रजिनी फाउंडेशन ने बुधवार 29 अप्रैल को सफाई कर्मचारियों को मास्क, ग्लब्स और हैंड सेनेटाइजर बांटे।

फाउंडेशन की ओर से सेक्टर 16-17 में कार्यरत सफाई कर्मचारियों को भी मास्क, ग्लब्स और हैंड सेनेटाइजर मुहैवा करवाए गए। प्रजिनी फाउंडेशन की निदेशक शालू मोहन ने कहा

कि कोरोना संकट के समय में सफाई कर्मचारी फ्रंटलाइन में काम कर रहे हैं। यह हमारे कोरोना योद्धा है, जिनकी सुरक्षा हम सभी प्राथमिकता होनी चाहिए। हमारी ओर से सफाई कर्मचारियों के साथ अन्य लोगों को भी स्वास्थ्य विभाग की गाइडलाइन के प्रति जागरूक किया जा रहा है। सभी को घरों से बाहर न निकलें।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... पंजाब के सरी
दिनांक ३०। ५। २०२० पृष्ठ सं २ कॉलम ७-८

एच.एच.यू. व सैक्टर-16/17 के सफाई कर्मचारियों
को बाटे मास्क, ग्लब्स व हैंड सैनिटाइजर



कर्मचारियों का मास्क बाटे फाऊंडेशन के सदस्य।

हिसार, 29 अप्रैल (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि में प्रजिनी फाऊंडेशन ने बुधवार को सफाई कर्मचारियों को मास्क, ग्लब्स और हैंड सैनिटाइजर बाटे। फाऊंडेशन की ओर से सैक्टर-16/17 में कार्यरत सफाई कर्मचारियों को भी मास्क, ग्लब्स और हैंड सैनिटाइजर मुहैया करवाए गए। प्रजिनी फाऊंडेशन की निदेशक शालू मोहन ने कहा कि कोरोना संकट के समय में सफाई कर्मचारी फ्रंट लाइन में काम कर रहे हैं। यह हमारे कोरोना योद्धा है, जिनकी सुरक्षा हम सभी प्राथमिकता होनी चाहिए। हमारी ओर से सफाई कर्मचारियों के साथ अन्य लोगों को भी स्वास्थ्य विभाग की गाइड लाइन के प्रति जागरूक किया जा रहा है। सभी को घरों से बाहर न निकले और शारीरिक दूरी बनाए रखने के बारे में समझाया जा रहा है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... फ्रीन कृषि जा. ११२७।
दिनांक..... ३०. ५. २०२० पृष्ठ सं... ३ कॉलम... ५५

सफाई कर्मचारियों को बांटे मास्क ग्लब्स और हैंड सेनेटाइजर

जागरण संवाददाता, हिसार
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय में प्रजिनी फाउंडेशन
ने बुधवार 29 अप्रैल को सफाई
कर्मचारियों को मास्क, ग्लब्स और
हैंड सेनेटाइजर बांटे। फाउंडेशन की
ओर से सेक्टर 16-17 में कार्यरत
सफाई कर्मचारियों को भी मास्क,
ग्लब्स और हैंड सेनेटाइजर मुहैया
करवाए गए। प्रजिनी फाउंडेशन की
निदेशक शालू मोहन ने कहा कि
कोरोना संकट के समय में सफाई
कर्मचारी फ्रंट लाइन में काम कर

किया जागरूक

- सफाईकर्मियों की सुरक्षा हम सभी की प्राथमिकता
- कोरोना वायरस से बचाव को लेकर किया जागरूक

रहे हैं। यह हमारे कोरोना योद्धा हैं,
जिनकी सुरक्षा हम सभी प्राथमिकता
होनी चाहिए। हमारी ओर से सफाई
कर्मचारियों के साथ अन्य लोगों को
भी स्वास्थ्य विभाग की गाइड लाइन
के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

Publication	Edition	Date	Page No	Readership
Jagat Kranti	Hisar	April 28, 2020	06	1,79,750

हकूमि में विभिन्न ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन

हिसार/विनोद गांधी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह की अगुवाई और उनके योग्य मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के भिन्न-भिन्न विभागों में ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है ताकि लॉकडाउन के इस दौर में छात्र-छात्राओं की शैक्षणिक व सार्वकृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देकर उनकी प्रतिभाओं को बरकरार रखा जा सके। छात्र कल्याण निदेशालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्यरत रहता है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि लॉकडाउन के इस कठिन समय में विद्यार्थियों की निरंतर क्रियाशीलता को बनाए रखने के लिए भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। संगीत एवं नाट्य विभाग द्वारा गायन, नृत्य एवं नाट्य की प्रतियोगिताएं डॉ. संध्या शर्मा के नेतृत्व में कराई जा रही हैं। डॉ. अपर्णा शर्मा एवं डॉ. राजेश कथवाल को लिटरेरी फेस्ट 2020 की जिम्मेदारी दी गई है।